६. प्राकृतिक प्रदेश

बताओ तो निम्न चित्रों के समीप की चौखटों में दी गई सूची के अनुसार अनुक्रमांक लिखो ।

निवास

वेशभूषा

वनस्पति और प्राणी

भोजन

तुम्हारे चुने हुए तथा निम्न प्रश्नों के आधार पर कक्षा में चर्चा करो ।

- चित्र में दिखाए गए सभी मकान हमारे परिसर में क्यों नहीं पाए जाते ?
- इस प्रकार के मकान किन प्रदेशों में होते हैं ?
- बर्फ के घर में रहना क्या तुम्हें अच्छा लगेगा ? तो फिर ऐसे मकान हम क्यों नहीं बनाते ?
- लोगों की वेशभूषा में किस कारण अंतर आया होगा ?
- खबूस, कीड़े, चींटियाँ, इनका भोजन के रूप में कहाँ उपयोग होता होगा ?
- हमारे यहाँ के प्राणी संग्रहालय में क्या ध्रुवीय रीछ; पेंग्विन जैसे प्राणी रखे जा सकते हैं ?
- चित्रों में दिखाई गई सभी वनस्पतियाँ क्या हमारे परिसर में पाई जाती हैं ? यदि नहीं तो वे कहाँ पाई जाती हैं ?

हमारे चारों ओर के परिसर में हम जो देखते हैं, अनुभव करते हैं, उसके अलावा कुछ अन्य घटक संसार में अन्यत्र पाए जाते हैं । विविध वन्य जीवों के संदर्भ में शैक्षिक एवं ज्ञानवर्धक जानकारीवाले कार्यक्रम हम दूरदर्शन पर देखते हैं । इन वन्य जीवों के प्रति हमें जिज्ञासा अनुभव होती है । वे हमारे यहाँ क्यों नहीं पाए जाते ? वे हमारे यहाँ के वन्य प्राणियों के तरह क्यों नहीं हैं ? उनमें यह अंतर क्यों हुआ है ? इन विषयों के कारणों की खोज करेंगे ।

सूची : १. मैं उपयोग/अनुभव करता हूँ। ✓ २. मैंने देखा है। ★ ३. मुझे जानकारी नहीं है। ×

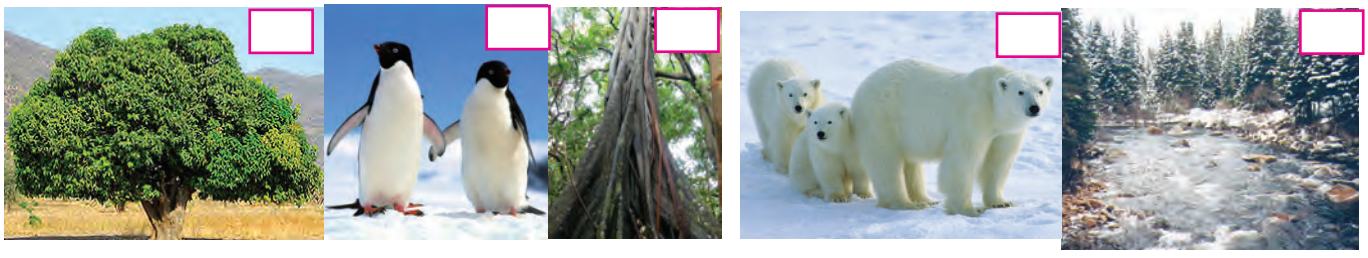

भौगोलिक स्पष्टीकरण

पृथ्वी पर विविध भागों में भूस्वरूप, जलवायु तथा मिट्टी में भिन्नता पाई जाती है। यह भिन्नता प्रमुख रूप से उस-उस क्षेत्र में उपलब्ध सूर्यप्रकाश और जल पर निर्भर होती है। सूर्यप्रकाश एवं जल की उपलब्धता विषुवत रेखा से ध्रुवों तक बदलती जाती है। इस विषय का अध्ययन हमने पिछली कक्षाओं में किया है। भूस्वरूप, जलवायु, मिट्टी इन तीन घटकों में होने वाले परिवर्तनों का प्रभाव वनस्पति, प्राणी एवं मानवीय जीवन पर पड़ता है। परिणामत: जैवविविधता में परिवर्तन होता है।

पृथ्वी पर अलग-अलग महाद्वीपों में विशिष्ट अक्षांशों के बीच जलवायु, वनस्पति एवं प्राणी जीवन में समान गुणधर्म पाए जाते हैं। अध्ययन की दृष्टि से जलवायु, वनस्पति एवं प्राणियों में पाए जाने वाले समान गुणधर्मों के कारण कुछ प्रदेशों की विभिन्नता तुरंत ध्यान में आती है। ये प्रदेश प्राकृतिक घटकों पर निर्भर होने के कारण इन्हें प्राकृतिक प्रदेश कहा जाता है। ऐसे प्रदेशों के प्राकृतिक पर्यावरण का प्रभाव मानव सहित संपूर्ण सजीव जगत पर दिखाई देता है। पृथ्वी का भूप्रदेश इस प्राकृतिक प्रदेश में विभाजित किया जाता है। पाठ में दी गई तालिका तथा मानचित्र की सहायता से उसकी जानकारी प्राप्त करेंगे।

प्रदेश	स्थिति और विस्तार	जलवायु
टुंड्रा प्रदेश	• लगभग ६५° ते ९०° उत्तर अक्षांशों के बीच । • ग्रीनलैंड, उत्तरी कनाडा, उत्तरी यूरोप, उत्तरी एशिया ।	• ग्रीष्मकाल में औसतन १०° से. तापमान। • शीतकाल में तापमान लगभग −२०° से −३०° से. होता है । • औसत वर्षा २५ से ३०० मिमी • अत्यधिक ठंडी जलवायु ।
टैगा प्रदेश	• लगभग ५५° उत्तर से ६५° उत्तरी अक्षांशों के बीच । अलास्का से अटलांटिक महासागर तक का भाग, यूरेशिया का भाग ।	• ग्रीष्मकाल में तापमान लगभग १५° से २०° से. होता है । • शीतकाल में तापमान ०° से. कम । • औसत वार्षिक वर्षा लगभग ३०० से ५०० मिमी होती है । • ग्रीष्मकाल में वर्षा, शीतकाल में हिमवृष्टि होती है ।
घास के प्रदेश (स्टेप्स एवं प्रेरीज)	• ३०° से ५५° उत्तर एवं दक्षिण अक्षांशों के बीच महाद्वीप के अंतर्गत भाग में । • स्टेप्स (यूरेशिया), वेल्ड (दक्षिण अफ्रीका), पंपाज (दक्षिण अमेरिका), प्रेरीज (उत्तर अमेरिका), डाउन्स (ऑस्ट्रेलिया) आदि ।	• ग्रीष्मकाल में तापमान लगभग २७°से.। • शीतकाल में ०° से से भी कम तापमान। • वर्षा औसतन ४०० से ६०० मिमी होती है । • अधिकांश वर्षा ग्रीष्मऋतु में होती है ।
उष्ण मरुस्थलीय प्रदेश	• विषुवत रेखा से २०° से ३०° अक्षांशों के बीच • महाद्वीप के पश्चिमी भागों में पाए जाते हैं। सहारा (उ. अफ्रीका), कोलोरेडो (उ. अमेरिका), अटाकामा (द. अमेरिका), थार का मरुस्थल (एशिया), कालाहारी (द. अफ्रीका) आदि ।	• ग्रीष्मकाल में औसतन तापमान ३०° से ४५° से. । • शीतकाल में २०° से २५° से. होता है । • अत्यधिक गर्मी एवं अत्यल्प वर्षा । • रात्रि में ठंड अधिक होती है ।
घास के प्रदेश (सूडान) 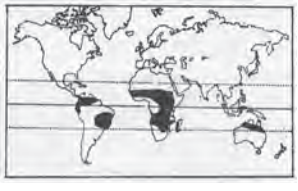	• विषुवत रेखा के उत्तर और दक्षिण में ५° से २०° अक्षांशों के बीच । • सवाना (अफ्रीका), क्वीन्सलैंड (ऑस्ट्रेलिया), द पार्कलैंड (अफ्रीका), लैनोज और कंपोज (द. अमेरिका) अन्य घास के प्रदेश ।	• ग्रीष्मकाल में तापमान लगभग ३५° से.। • शीतकाल में तापमान २४° से. । • लगभग २५० मिमी से १००० मिमी वर्षा होती है । • ग्रीष्मकाल उष्ण एवं नम, शीतकाल गर्म और शुष्क होता है ।
विषुवत वृत्तीय प्रदेश 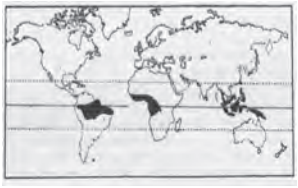	• विषुवत रेखा के उत्तर व दक्षिण की ओर ५° अक्षांश के बीच । • मलेशिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, गिनी और कांगो का किनारा, अमेजोन नदी की घाटी ।	• ग्रीष्मकाल में तापमान लगभग ३०° से.। • औसतन तापमान २७° से. । • लगभग २५०० ते ३००० मिमी वर्षा । • उष्ण एवं नम जलवायु के कारण घास, खरपात सड़ जाती है और हवा रोगग्रस्त होती है । • अत्यधिक उष्णता, सालभर वर्षा ।

प्राकृतिक वनस्पति	प्राणीजीवन	मानवीय जीवन
• अल्पकाल तक जीवित रहने वाली वनस्पति । • जैसे- छोटे पौधे, घास, फूल, शैवाल, पत्थरफूल आदि ।	• कैरिबू, रेनडियर, ध्रुवीय भालू, सियार, सील एवं वालरस मछली आदि । मुलायम एवं घने फरवाले प्राणी ।	• शिकार एवं मछली पकड़ना । • चमड़े के तंबू (टयूपिक) और इग्लू मकान । • स्लेज गाड़ी का उपयोग । • जनसंख्या अति विरल । जैसे- एस्किमो लोग ।
• सूचीपर्ण वन • वृक्षों के पत्ते संकरे एवं नुकीले और टहनियाँ भूमि की ओर झुकी हुई । • लकड़ी मुलायम और हल्की होती है । • जैसे- स्प्रूस, फर, पाइन, रेडवुड आदि ।	• शरीर पर घने एवं कोमल फर होते हैं । जैसे - कैरिबू, एल्क, सेबल, आर्मिन, बीवर, सिल्वर फॉक्स, मिंक, भालू आदि ।	• जनसंख्या कम होती है । • शिकार और लकड़ी काटने का व्यवसाय । • कृषि कम होती है ।
• घास के विस्तीर्ण चरागाह दिखाई देते है । • घास लच्छों में और कम ऊँचाई तक बढ़ती है । • शीतकाल में घास नष्ट हो जाती है । • जैसे- एल्डर, पॉपलर आदि वृक्ष पाए जाते हैं ।	• हिरण, घोड़े, कुत्ते, भेड़िये, जंगली भैंसे, खरगोश, कंगारू, डिगो आदि प्राणी। • पालतू प्राणी- भेड़, बकरियाँ, गाय, बैल, घोड़े, गधे आदि ।	• पशुचारण व्यवसाय, पशुपालन • एक स्थान से दूसरे स्थान पर भटकते रहते हैं । • चमड़े के तंबू (टैंट) में रहते हैं । • किरगीज लोग अब यायावरी नहीं करते । वे पक्के मकानों में रहते हैं । • गेहूँ की कृषि करते हैं।
• कम-से-कम पत्ते और कँटीली वनस्पति । • मोटे छिलके, संकरे एवं चिकने पत्ते । • भूमि का गीलापन समाप्त होते ही वनस्पतियाँ नष्ट हो जाती हैं। जैसे- कैक्टस, रामबाँस, पाम, खजूर आदि ।	• ऊँट भोजन व पानी के बिना भी बहुत दिनों तक रह सकता है । • भूमि पर प्राणियों की संख्या कम होती है । • प्राणी दिनभर जमीन के नीचे रहते हैं । जैसे- साँप, चूहे, गिरगिट, बिच्छू आदि । • घोड़े, बैल, गधे, भेड़ एवं अन्य पालतू प्राणी ।	• बदाऊँ (सहारा), बुशमैन (कालाहारी), ऐबोरिजिन (आस्ट्रेलिया) आदि लोग रहते हैं । • अनेक आवश्यकताएँ पशुओं से ही पूर्ण की जाती हैं । • मरुद्यानों और नदी घाटियों में कृषि की जाती है ।
• ऊँची एवं सघन घास । • घास लगभग छह मीटर ऊँची होती है । (हाथी घास) • विरल वृक्ष और पेड़ फुनगी की ओर छाते के आकार के दिखाई देते हैं । जैसे-बेल, बेर, रामबाँस, अनन्नास, कैकटस आदि ।	• यहाँ तृणजीवी प्राणी व मांस भक्षक प्राणी विपुल मात्रा में हैं । • प्राणियों को प्रकृति ने चपल पैर दिए हैं । • शरीर पर रंगीन धब्बे और पट्टे होते हैं। • जैसे - सिंह, चीता, लकड़बग्घा, भेड़िया, जिराफ, जेब्रा, हाथी, गेंडा, जंगली बैल, भैंसा, कंगारू, एमू आदि ।	• मिट्टी की दीवार व घास की छप्पर होती है । • लोगों के घर सादे (सरल) होते हैं । • मकानों में खिड़कियाँ नहीं होतीं । • नाटी एवं गोलाकार झोंपड़ी में रहते हैं । इसे क्रॉल कहते हैं । • शिकार एवं पशुपालन प्रमुख व्यवसाय जैसे - जुलू, हौसा, मसाई आदि जनजातियाँ ।
• सघन सदाहरित वन । • वनस्पतियों में अत्यधिक विविधता । • दलदलयुक्त प्रदेश • कठोर लकड़ी के ऊँचे वृक्ष होते हैं । • जैसे- महोगनी, ग्रीन- हार्ट, रोजवुड, एबोनी आदि ।	• प्राणियों में अत्यधिक विविधता पाई जाती है । • दलदलयुक्त प्रदेश में मगरमच्छ, दरियाई घोड़ा, ऐनाकोंडा आदि । • वृक्षों पर रहने वाले गोरिल्ला, चिंपाजी, हॉर्नबिल आदि । कीटक, विषैली त्से-त्से मक्खी.....।	• मानवबस्ती कम होती है । • लोगों का जीवन प्रकृति पर निर्भर होता है । • आदिवासी जनजाति के लोग • लोग वृक्षों पर मकान बनाते हैं । • जैसे - पिग्मी, बोरो, इंडियन सेमॉग आदि ।

चलो खेलें: पृष्ठ क्रः ३२, ३३, और ३४ के प्राकृतिक प्रदेशों की तालिकाओं के प्रत्येक प्रविष्टि का कार्ड तैयार करो। यह कार्ड विद्यार्थियों में बाँटकर प्रत्येक विद्यार्थी प्राकृतिक प्रदेश का परिवार खोजने का खेल खेलो।

पिछली तालिका में दिए गए प्राकृतिक प्रदेश विषुवत रेखा से लेकर ध्रुवों तक विशिष्ट अक्षांशीय भागों में पाए जाते हैं। उष्ण तापमान व जल की उपलब्धता के आधार पर इन प्राकृतिक प्रदेशों की स्थिति एवं विस्तार निर्धारित होता है। इन प्रदेशों के अलावा स्थानीय परिस्थितियों के कारण भी कुछ प्रदेश अलग दिखाई देते हैं। इनमें मुख्यत: मानसूनी, भूमध्य एवं पश्चिम यूरोपीय जलवायु के प्रदेशों का समावेश होता है। विशिष्ट हवाओं के प्रभाव के कारण पश्चिम यूरोपीय व मानसूनी प्रदेश ध्यान में आते हैं तो भूमध्य सागरीय प्रदेश अपनी वर्षाकालीन विशिष्ट कालावधि के कारण ध्यान में रहता है। यहाँ शीतकाल में वर्षा होती है। इसलिए वह अन्य प्रदेशों से अलग दीखता है। नीचे दी गई तालिका देखो।

	मानसूनी प्रदेश	भूमध्य सागरीय प्रदेश	पश्चिम यूरोपीय प्रदेश
स्थिति और विस्तार	• विषुवत रेखा के उत्तर एवं दक्षिण की ओर १०° से ३०° अक्षांशों के बीच। •भारत, फिलिपीन्स, वेस्ट इंडिज, उत्तर आस्ट्रेलिया, पूर्व अफ्रीका, मध्य अमेरिका आदि।	• ३०° से ४०° अक्षांशों के बीच दोनों गोलार्धों के महाद्वीपों के पश्चिम का भाग इसमें आता है। • पुर्तगाल, स्पेन, अल्जीरिया, टर्की, कैलिफोर्निया, मध्य चिली, दक्षिण पश्चिम एवं दक्षिण पूर्व आस्ट्रेलिया आदि।	• महाद्वीप के पश्चिम भागों में ४५° से ६५° उत्तर व दक्षिण अक्षांशों के बीच। • नार्वे, डेन्मार्क, आयरलैंड, ब्रिटेन, कोलंबिया, दक्षिण चिली, न्यूजीलैंड आदि।
जलवायु	• ग्रीष्मकाल में तापमान २७° से. से ३२° से.। • शीतकाल में तापमान १५° से. ते २४° से.। • वर्षा २५० ते २५०० मिमी. तक होती है। • दक्षिण-पश्चिमी मानसूनी हवाओं से निश्चित मौसम में वर्षा होती है। •वर्षा का वितरण असमान व अनिश्चित होता है।	• ग्रीष्मकाल शुष्क, शीतकाल में वर्षा। • ग्रीष्मकाल में तापमान २१° ते २७° से. तक। • शीतकाल में १०° से १४° से.। • वर्षा लगभग ५०० से१००० मिमी। • शीतकाल में वर्षा होती है।	• ग्रीष्मकाल में तापमान लगभग २०° से.। • शीतकाल में तापमान लगभग ५° से.। • वर्षा की मात्रा औसतन ५०० मिमी से २५०० मिमी। • पश्चिमी हवाओं के चक्रवात से वर्षा • वर्षभर वर्षा होती है। •जलवायु सौम्य होती है।
प्राकृतिक वनस्पतियाँ	• पतझड़ और अर्द्ध सदाहरित वन। वर्षा के वितरण पर वनस्पति का प्रकार निर्भर होता है। • जैसे - बरगद, पीपल साग, शीशम, चंदन, खैर, सिंकोना, बाँस, बबूल, कँटीली वनस्पतियाँ, छोटे पौधे एवं घास।	• पत्ते मोटे, छोटे व चिकने • वृक्षों की छाल बहुत मोटी होती है। जैसे - अलिव, ओक, चेस्टनट आदि। • कम वर्षावाले क्षेत्र में घास होती है। • पर्वतीय भागों में सूचीपर्ण वनस्पति	• वर्षभर हरी-भरी घास • वृक्षों की पत्तियाँ ग्रीष्मकाल में झड़ जाती हैं। सूचीपर्ण वृक्ष एवं कम ऊँचाई की घास। • जैसे- ओक, बीच, मेपल, एल्म, पाइन, स्प्रूस, पॉपलर आदि।
प्राणी जीवन	• बाघ, सिंह, तेंदुआ, हाथी, बनैल सूअर, बंदर, भेड़िया, साँप, मोर, कोयल आदि वन्यप्राणी और पक्षी। • गाय, भैंस, भेड़ और घोड़े जैसे पालतू प्राणी।	• पशुपालन में पालतू प्राणी अधिक हैं। जैसे- भेड़, बकरियाँ, गाय, खच्चर, घोड़े आदि।	• पशुपालन के कारण प्रमुख रूप से पालतू प्राणी अधिक होते हैं। • रीछ, भेड़िये, सियार आदि वन्य प्राणी पाए जाते हैं।
मानवीय जीवन	• छोटे-छोटे अनेक देहात होते हैं। • भोजन और वेशभूषा में बहुत विविधता होती है। • जनसंख्या मुख्यतः प्राथमिक व्यवसाय करती है। • कृषि मुख्य व्यवसाय है।	• ग्रीक व रोमन संस्कृति का विकास। • कृषि मुख्य व्यवसाय। • फल एवं फूलों की खेती अधिक। • मुख्य भोजन- गेहूँ से बने पदार्थ। • रंग-बिरंगे कपड़े।	• लोग उत्साही एवं उद्यमी होते हैं। • नौकायान करने वाले लोग अधिक हैं। • ऊनी कपड़े उपयोग में लाते हैं। • कृषि के अलावा द्वितीयक एवं तृतीयक व्यवसाय में वृद्धि हो रही है।

तालिका में दिए गए कुल नौ प्रदेशों के अतिरिक्त भी कुछ प्रदेश उनके विशिष्ट महाद्वीपीय स्थान के कारण अलग दीखते हैं। जैसे-चीनी प्रदेश, सेंट लारेंस प्रदेश आदि। इन सभी प्रदेशों का विस्तार आकृति ६.१ में देखो।

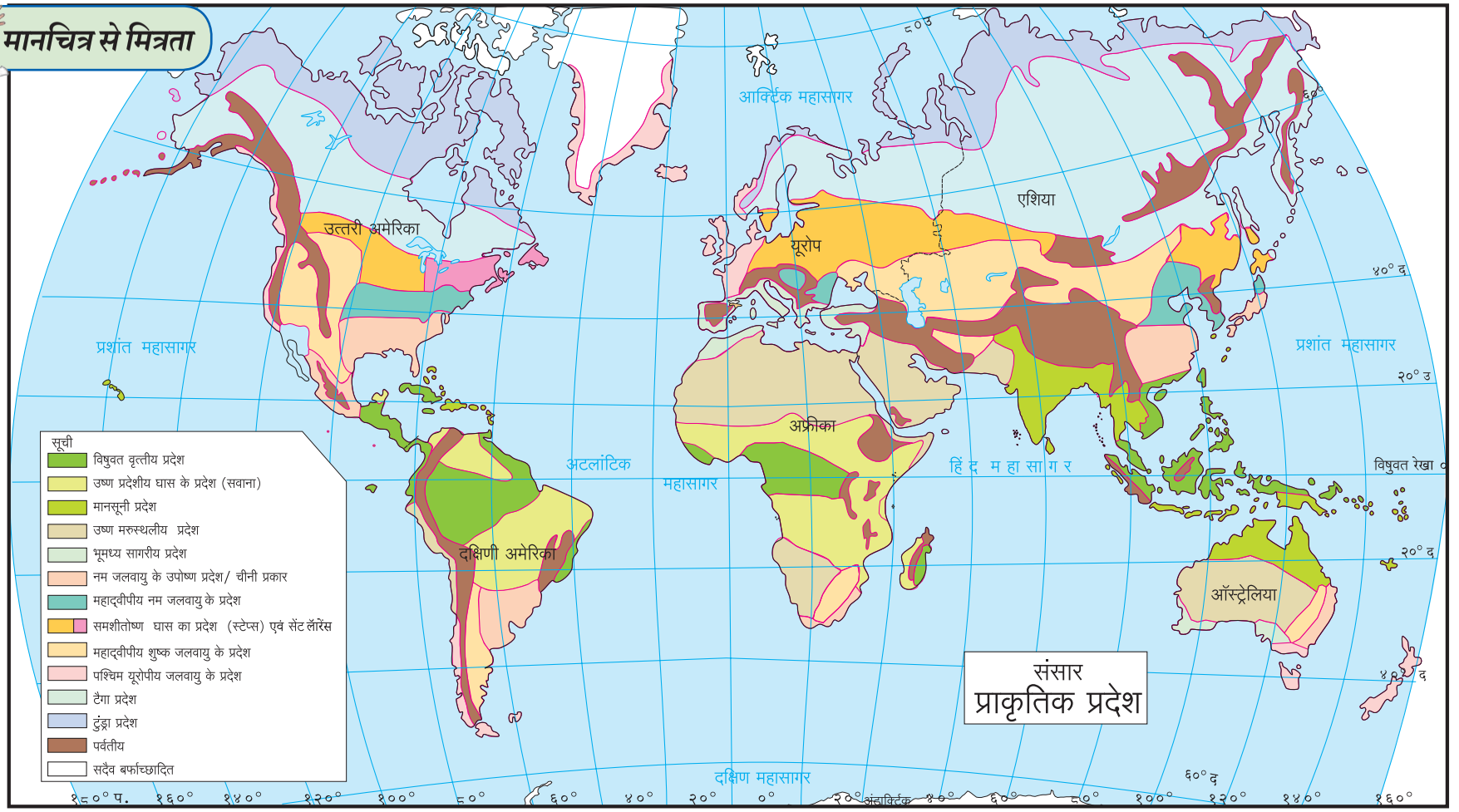

मानचित्र से मित्रता

आकृति ६.१ : संसार के प्राकृतिक प्रदेश

आकृति ६.१ का उपयोग करके निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

- भारत में कौन-कौन-से प्राकृतिक प्रदेश पाए जाते हैं ?
- उष्ण मरुस्थलीय प्रदेशों का अधिक भूभाग किस महाद्वीप में आता है ?
- प्राकृतिक प्रदेशों में सर्वाधिक विविधता किस महाद्वीप में है ?
- उत्तरी गोलार्ध की तुलना में दक्षिणी गोलार्ध में प्राकृतिक प्रदेश कम मात्रा में क्यों है ?
- संसार की तुलना में किस प्राकृतिक प्रदेश का क्षेत्रफल अधिक है ?
- अंटार्क्टिका महाद्वीप जैसी परिस्थितियाँ और कहाँ दिखाई देती हैं ?
- भूमध्य रेखा जिस भूभाग से गुजरती है; उस भूभाग में कौन-से प्राकृतिक प्रदेश पाए जाते हैं ?

निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

- किस प्रदेश में वनस्पतियों का जीवन अल्पकालीन होता है ?
- क्रॉलवाला प्राकृतिक प्रदेश कौन-सा है ?
- शीतकालीन वर्षा का प्रदेश कौन-सा है ?
- गोरिल्ला, चिंपाजी किस प्राकृतिक प्रदेश में पाए जाते हैं ?
- किस प्राकृतिक प्रदेश के वनों में भूमि से लगा हुआ भाग वनस्पतिविहीन होता है ?
- दुग्धव्यवसाय के पूरक(सहायक)प्रदेश कौन-से हैं ?
- फलोत्पादन के लिए अनुकूल प्राकृतिक प्रदेश कौन-सा है ?

थोड़ा विचार करो

☞ **बाघ, सिंह जैसे प्राणी विषुवत वृत्तीय वनों के प्रदेशों में क्यों नहीं पाए जाते ?**

विषुवत रेखा से ध्रुवीय प्रदेशों की ओर जाते समय जैवविविधता में पाया जानेवाला परिवर्तन उत्तरोत्तर कम होता जाता है । जिससे संसाधनों की उपलब्धता सीमित होती जाती है । इसका प्रभाव मानवीय व्यवसाय पर भी पड़ता है । मानसूनी प्रदेशों में कृषि और कृषि से संबंधित व्यवसाय किए जाते हैं । विषुवत वृत्तीय प्रदेशों में वनोत्पादन पर आधारित व्यवसाय चलते हैं । जैसे- लकड़ी काटना, गोंद, शहद, रबड़, लाख इकट्ठा करना । टैगा प्रदेश के वनों में मुलायम लकड़ी मिलती है । अतः वहाँ मुख्य रूप से लकड़ी कटाई का व्यवसाय चलता है । जबकि टुंड्रा प्रदेश में केवल शिकार करना और मछली पकड़ना जैसे व्यवसाय चलते हैं । वर्तमान समय में घास के प्रदेशों में विस्तृत कृषि की जाती थी ।

विविध प्राकृतिक प्रदेशों में पर्यावरण और उपलब्ध संसाधनों के बीच अत्यधिक अंतर होता है । संसाधनों का उपयोग संबंधित प्रदेश के विज्ञान और तकनीकी ज्ञान की प्रगति पर निर्भर होता है । उसी प्रकार ; उस प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रगति का भी जनजीवन पर प्रभाव पड़ता है ।

थोड़ा विचार करो

☞ शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश अधिकांशत: महाद्वीप के पश्चिमी भागों में पाए जाते हैं ।

☞ उष्ण मरुस्थलीय प्रदेशों में पशुपालन करते हैं।

☞ मरुस्थलीय प्रदेशों के लोगों का जीवन घुमंतू होता है ।

☞ घास के प्रदेशों में मांस भक्षक प्राणी पाए जाते हैं ।

इसे सदैव ध्यान में रखो

प्राकृतिक संसाधनों पर केवल मानव का ही जीवन अवलंबित नहीं होता है बल्कि पृथ्वी के सभी सजीव उसपर अवलंबित होते हैं । इसलिए प्राकृतिक प्रदेश के संसाधनों का उपयोग करते समय हमें अपने साथ-साथ अन्य सजीवों का भी विचार करना आवश्यक है । तभी 'वसुधैव कुटुंबकम्' की संकल्पना साकार हो सकेगी ।

क्या तुम जानते हो ?

पृथ्वी पर कुल मरुस्थलों में से पच्चीस प्रतिशत मरुस्थल बालुकामय होते हैं । शेष मरुस्थल उजड़े जैसे प्रदेशों, चट्टानों, छोटे-छोटे पत्थरों अथवा बिल्लोरों से व्याप्त होते हैं । कुछ मरुस्थलों में ऊँचे पर्वत अथवा विचित्र आकार के पत्थर के नुकीले शिखर होते हैं । हमारे देश में लद्दाख अथवा अमेरिका में एरिजोना में इस प्रकार के मरुस्थल पाए जाते हैं ।

मरुस्थल के ऊपर से बहने वाली वेगवान हवाएँ वहाँ से बालुका का वहन कर उनके टीले निर्माण करती हैं। उन्हें अंग्रेजी में 'ड्यून्स' (Dunes) कहते हैं । कुछ 'ड्यून्स' तो २०० मीटर तक ऊँचे होते हैं । ये टीले एक स्थान पर स्थायी न रहकर बहती हवा के साथ धीरे-धीरे आगे सरकते रहते हैं । कभी-कभी तो इन टीलों के नीचे गाँव तक समा जाते हैं ।

मैं और कहाँ हूँ ?

☞ छठी कक्षा- भूगोल - पृष्ठ ४८

☞ छठी कक्षा- सामान्य विज्ञान- पाठ ३- सजीवों की विविधता और वर्गीकरण

स्वाध्याय

प्रश्न १. निम्न कथन ध्यानपूर्वक पढ़ो। यदि असत्य हों तो सुधारकर पुनः लिखो ।

(१) पश्चिम यूरोपीय जलवायुवाले प्रदेश में लोग सौम्य एवं गर्म जलवायु के कारण उत्साही नहीं होते हैं।

(२) प्रेरीज प्रदेश को– ''विश्व के गेहूँ का भंडार'' कहा जाता है ।

(३) भूमध्य सागरीय प्रदेश में वृक्षों के पत्ते चिकने होते हैं और कुछ वृक्षों की छाल मोटी होती है वृक्षों के पानी का वाष्पीकरण अधिक होता है ।

(४) उष्ण मरुस्थलीय प्रदेश में 'ऊँट' महत्त्वपूर्ण प्राणी है क्योंकि वह भोजन और पानी के सिवाय दीर्घकाल तक रह सकता है और यातायात के लिए भी उपयोगी होता है ।

(५) बाघ, सिंह जैसे मांसाहारी प्राणी विषुवत वृत्तीय प्रदेशों में अधिक पाए जाते हैं ।

प्रश्न २. भौगोलिक कारण लिखो :

(१) मानसूनी प्रदेश में लोग मुख्यत: कृषि व्यवसाय करते हैं ।

(२) विषुवत वृत्तीय वनों में ऊँचे वृक्ष पाए जाते हैं।

(३) टुंड्रा प्रदेश में वनस्पति जीवन अल्पकालीन होता है ।

प्रश्न ३. निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(१) टैगा प्रदेश का विस्तार किन अक्षांशों के बीच है?

(२) सूड़ान प्रदेश में किन्हीं तीन शाकाहारी प्राणियों के नाम बताओ तथा उनके स्वसंरक्षण के लिए प्रकृति ने कौन-सी व्यवस्था की है?

(३) मानसूनी प्रदेश की विशेषताएँ कौन-सी हैं?

प्रश्न ४. संसार के मानचित्र में निम्न प्राकृतिक प्रदेश दिखाओ और सूची तैयार करो :

- कोलोरेडो मरुस्थल
- डाउंस घास के प्रदेश
- भूमध्य सागरीय जलवायु
- ब्रिटिश कोलंबिया
- ग्रीनलैंड का मानवीय बस्ती का भाग

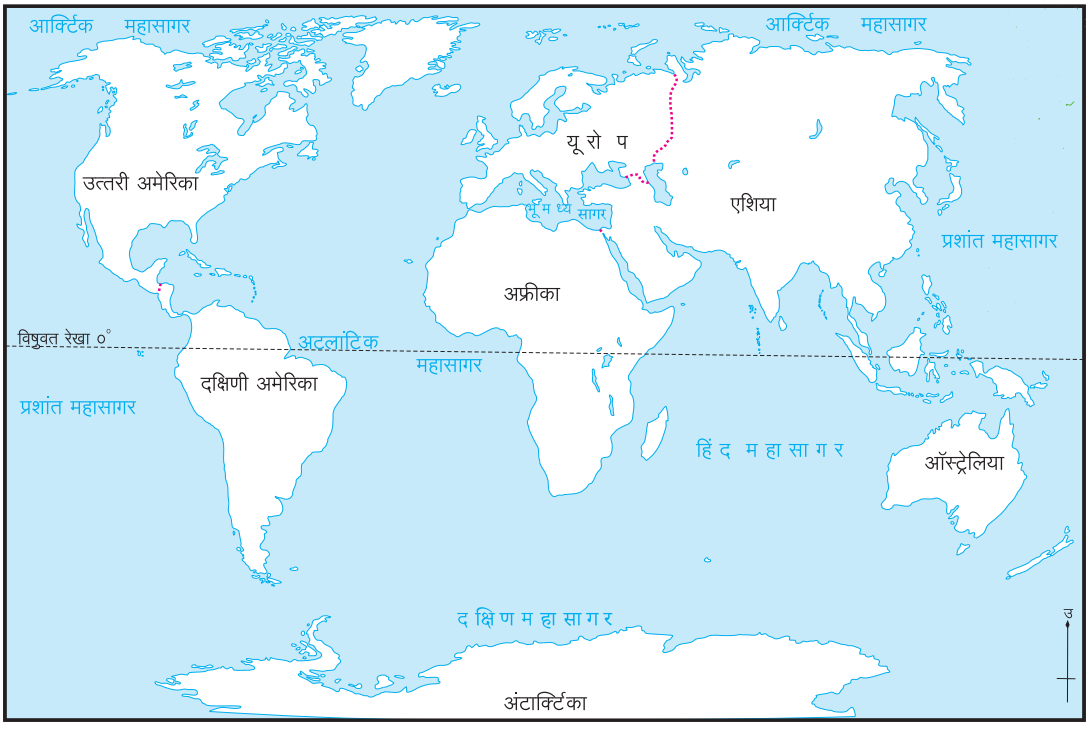

उपक्रम :

इंटरनेट का उपयोग कर इस पाठ में दी गई जानकारी की जाँच करो । विविध प्राकृतिक प्रदेशों की वनस्पतियाँ, प्राणी और लोकजीवन के चित्र एकत्रित करो और संसार के मानचित्र में वे चित्र चिपकाकर कोलाज तैयार करो ।

***

परियोजना :

अभी तक हमने भौगोलिक घटकों का अध्ययन किया है । जैसे- अक्षांश, देशांतर, वृत्तजाल, किसी प्रदेश की जलवायु, प्राकृतिक संरचना, वनस्पति और प्राणी जीवन की विविधता आदि । अब हम इस आधार पर एक उपक्रम करेंगे ।

इंटरनेट और अन्य स्रोतों का उपयोग कर किन्हीं दो प्राकृतिक प्रदेशों में से एक-एक देश की जानकारी, छायाचित्र इत्यादि प्राप्त करो । उसी प्रकार निम्न मुद्दों का उपयोग कर उन देशों के लिए कोलाज तैयार करो । कक्षा में उनकी प्रदर्शनी लगाओ और अपने कोलाज का प्रस्तुतीकरण करो ।

देश का नाम : ....

....

स्थिति और विस्तार : ....

....

जलवायु : ....

....

....

....

....

वनस्पति : ....

....

....

....

....

प्राणी : ....

....

....

....

मानवीय जीवन : ....

....

....

....

वेशभूषा : ....

....

....

....

मानवीय व्यवसाय : ....

....

....

....

देश की विशेषताएँ : ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

संबंधित मानचित्र : ....

....

....

....

....

....

IHL81M

***